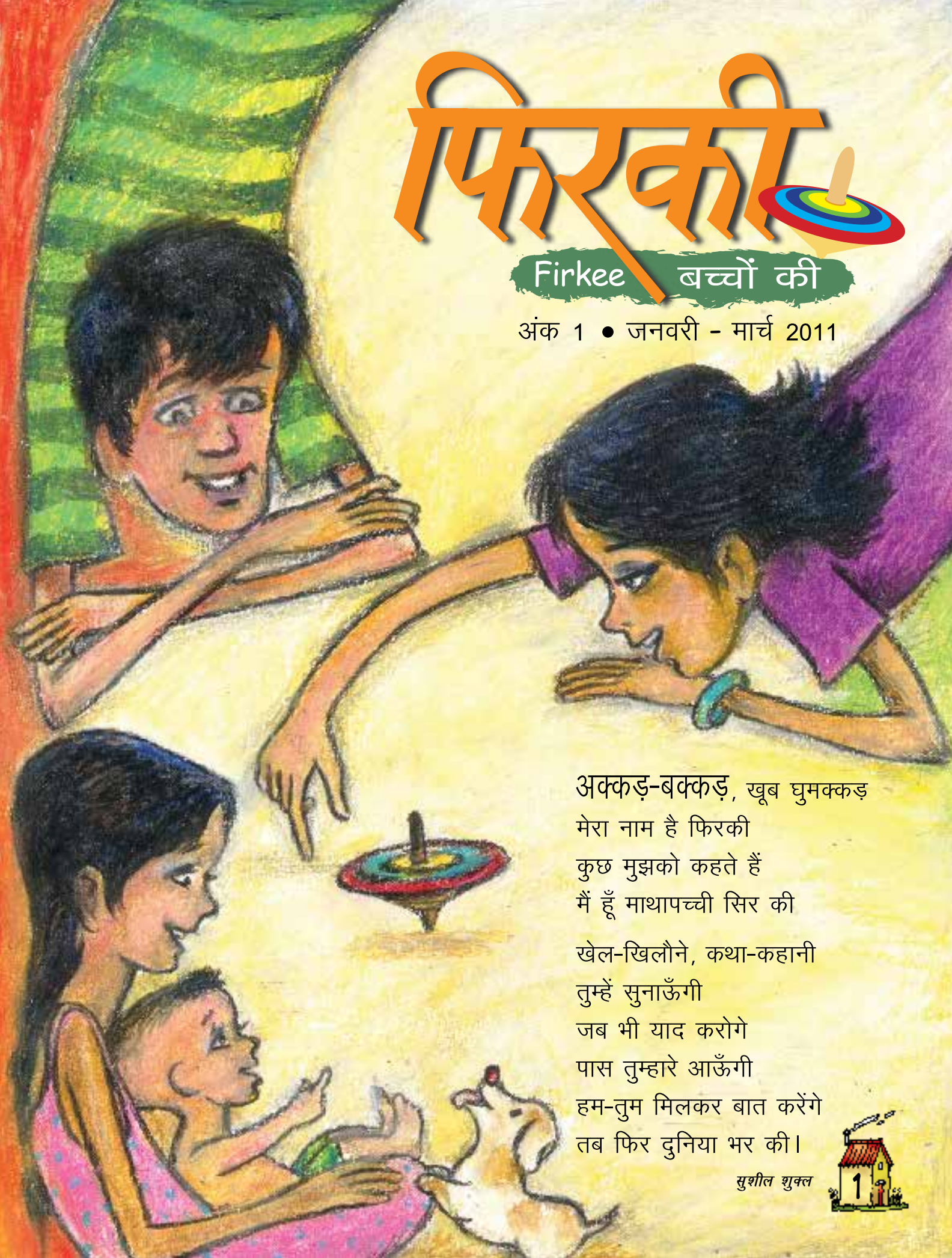

फिरकी

Firkee बच्चों की

अंक 1 • जनवरी - मार्च 2011

अक्कड़-बक्कड़, खूब घुमक्कड़
मेरा नाम है फिरकी
कुछ मुझको कहते हैं
मैं हूँ माथापच्ची सिर की

खेल-खिलौने, कथा-कहानी
तुम्हें सुनाऊँगी
जब भी याद करोगे
पास तुम्हारे आऊँगी
हम-तुम मिलकर बात करेंगे
तब फिर दुनिया भर की।

सुशील शुक्ल

मीठा रसगुल्ला

एक हलवाई
झटपटगुल्ला
बना रहा
मीठा रसगुल्ला
मैं भी खाऊँ
तू भी खा
कर मत लेकिन
हल्ला गुल्ला।

अनवारे इस्लाम

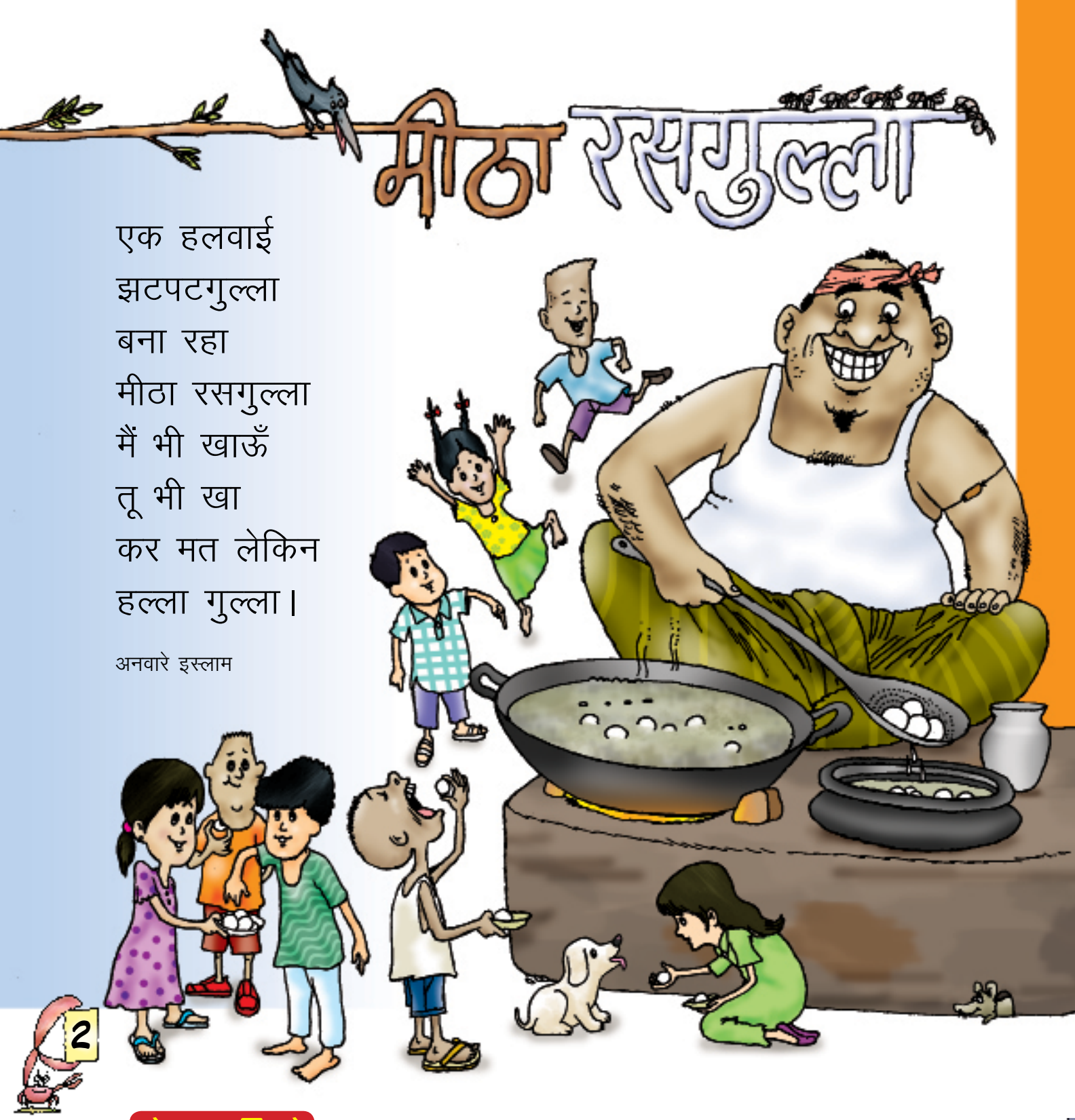

सोचकर लिखो

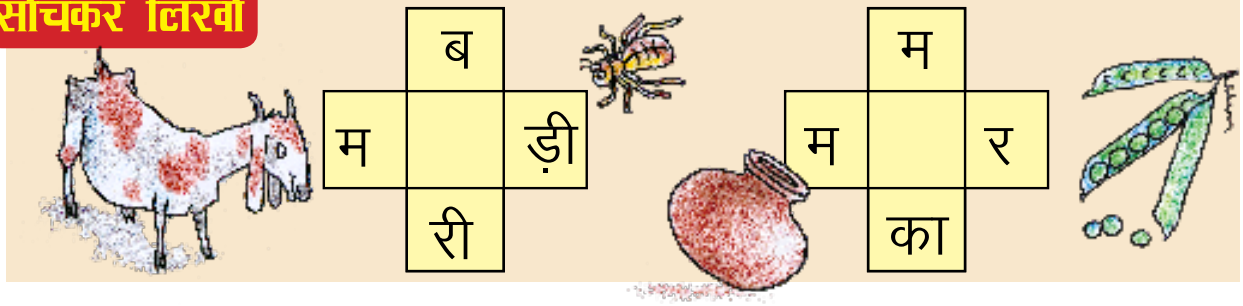

फिरकी

Firkee बच्चों की

द्विभाषिक त्रैमासिक पत्रिका

अंक 1 • जनवरी - मार्च 2011

इस अंक में.....

पृ.सं.	रचना	रचनाकार
1	फिरकी	सुशील शुक्ल
2	मीठा रसगुल्ला	अनवारे इस्लाम
4	एक अरब और उसका ऊँट	
6	सर्दियाँ	मोहित शर्मा
7	खीर	रमेश थानवी
7	One, Two, Three	
8	बोलती तस्वीरें	
9	चींटीं ओ चींटीं	सुशील शुक्ल
10	बकरी	प्रभात
10	मछुआरा और मकड़ी	
11	मोटा हाथी	आदित्य
12	तालाब	मोहित शर्मा
14	Something Sweet	
20	बिल्ली के बच्चे	गुंजन
22	कुछ करने के लिए	
23	देखो हमने क्या बनाया	
24	'बरखा' और 'फिरकी' की बात	

एक अरब और उसका ऊँट

सर्दी का दिन था। अरब ऊँट की पीठ पर बैठकर घूमने जा रहा था।

रात को अरब ने अपना तंबू लगाया और उसके अंदर चला गया।

ऊँट को बाहर ही रहने दिया।

बाहर तो बहुत ठंड है। क्या मैं अपनी गर्दन अंदर कर लूँ?
?!
बाहर तो बहुत ठंड है। क्या मैं अंदर आ जाऊँ?
अरे! नहीं, यह तंबू हम दोनों के लिए बहुत छोटा है।
इसलिए मैं अंदर आ रहा हूँ और तुम बाहर जाओ।
?!

सर्दियाँ

सर्दियाँ अच्छी लगती हैं। बाहर धूप में खेलने में कितना मज़ा आता है। पर सुबह-सुबह उठना कितना बुरा लगता है और सर्दियों में नहाना कितना खलता है। स्कूल में कमरे के अंदर बैठना पड़ता है। सिकुड़कर बैठने पर भी सर्दी कम नहीं होती। कितना अच्छा होता अगर स्कूल में रज़ाइयाँ होतीं। सब बच्चे रज़ाइयों में दुबके पढ़ाई करते। मास्टरजी भी रज़ाई ओढ़े पढ़ाते।

मोहित शर्मा

खीर

खीर पकी थी मीठी-मीठी
सबड़-सबड़ कर खाई।
गबड़-गबड़ कर सोए थे सब
पढ़े कौन अब भाई।

रमेश थानवी

One, Two, Three.....

One.....
Two....
Three....
Four.....
Shreya at the kitchen door.
Five....
Six...
Seven....
Eight....
Eating laddoos off a plate.

Courtesy - Ruth Rastogi

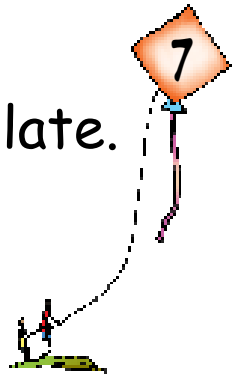

बोलती तस्वीरें

अरे, चखो तो सही!

फ़ोटो – पी. एम. लाड

माँ, अभी तक आई क्यों नहीं?

फ़ोटो – के. के. शर्मा

ओ केलेवाले भैया! ज़रा केला तो देना!

फ़ोटो – राजाराम

शर्मा

उजली धूप-सा उजला तन!

फ़ोटो – के. के. शर्मा

चींटी ओ चींटी

चींटी ओ चींटी
कहाँ गई थी?
अरे, यहीं थी पास में
चीनी की तलाश में

गाय ओ गाय
कहाँ गई थी?
अरे, यहीं थी पास में
घास की तलाश में

.....
कहाँ गई थी?
अरे, यहीं थी पास में
चूहे की तलाश में

.....
कहाँ गई थी?
अरे, यहीं थी पास में
..... तलाश में

सुशील शुक्ल

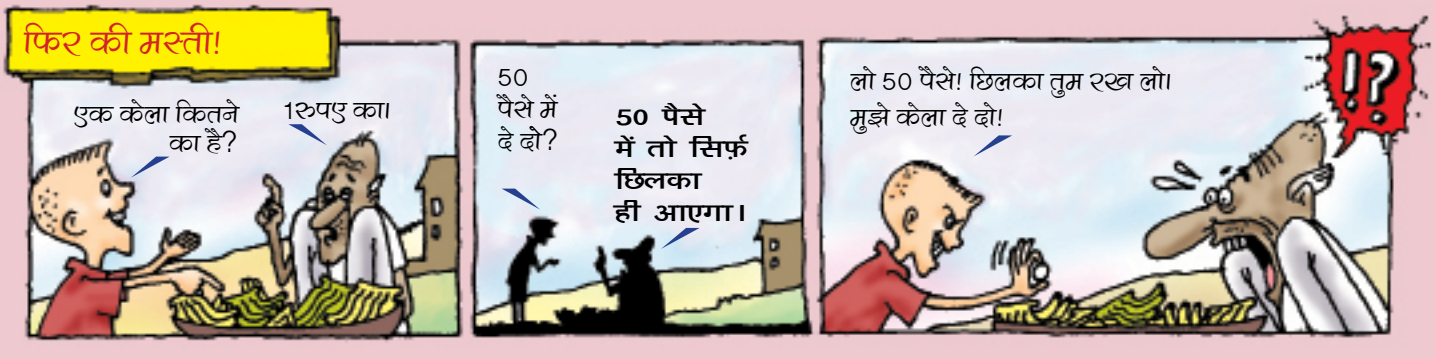

बकरी

बकरी कबरी
बकरी झबरी
कबरी झबरी
बकरी

आगे निकली
कबरी बकरी
पीछे रह गई
झबरी

आगे आगे
कबरी बकरी
पीछे पीछे
झबरी

साथ चली थी
हो गई
आगे पीछे
कबरी झबरी

प्रभात

मछुआरा और मकड़ी

मछुआरे ने मकड़ी से कहा - तुम कितना अच्छा जाला बुनती हो? तुम्हारे बड़े मज़े हैं। जाले में आराम करती रहती हो। मक्खी-मच्छर खुद तुम्हारे पास चले आते हैं। घर बैठे दावत उड़ाती हो। मुझे देखो! मेरे घर से नदी बहुत दूर है। पैदल जाता हूँ - जाल पीठ पर टाँगकर। कई बार तो पूरे दिन जाल डाले बैठा रहता हूँ। मछलियाँ जाल में फँसती ही नहीं। खाली हाथ घर लौटता हूँ। तुम्हारे जैसा जाला बुनना आता तो मेरे भी मज़े रहते।

मकड़ी दोस्त, क्या तुम मुझे जाला बुनना सिखा दोगी?

मोटा हाथी

, d मोटा हाथी झूम के चला,
मकड़ी के जाल में जा के फँसा।
एक मोटे हाथी ने,
दूसरे मोटे हाथी को इशारा किया,
दोनों मोटे हाथी झूम के चले,
मकड़ी के जाल में जा के फँसे।
दोनों मोटे हाथी ने
तीसरे मोटे हाथी को
इशारा किया,
तीनों मोटे हाथी झूम के चले,
मकड़ी के जाल में जा के फँसे।

आदित्य, 7 वर्ष, नवयुग स्कूल,
मंदिर मार्ग, नई दिल्ली

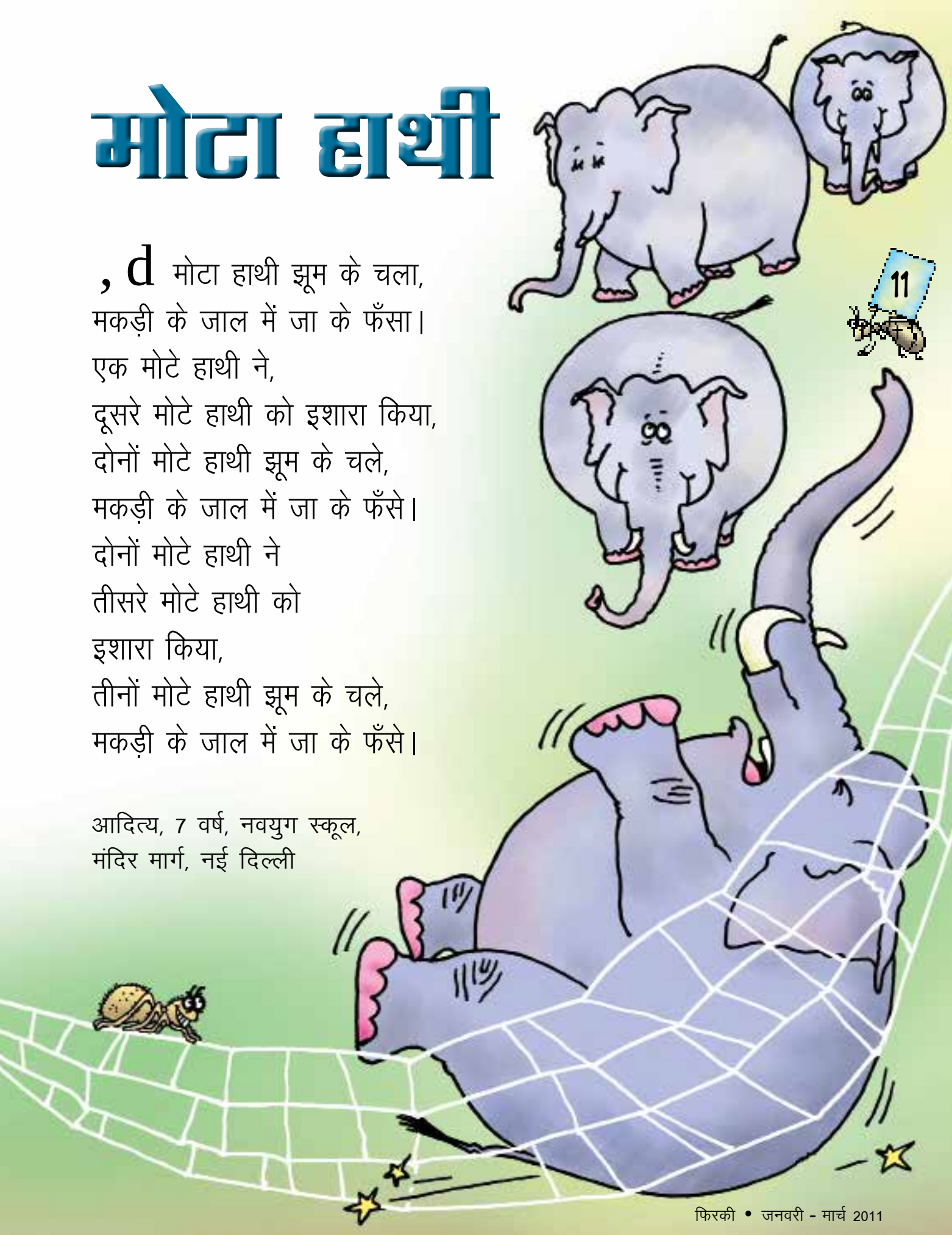

तालाब और उसके आस-पास की दुनिया

छोटा तालाब सचमुच बहुत छोटा है। उसमें पानी भी थोड़ा ही है। पर इस थोड़े से पानी में कई जीव रहते हैं। केंचुए, केंकड़े, मछलियाँ, जोंक, साँप, मेंढक, कनखजूरे, दो कछुए और उनके सात बच्चे! मच्छर-मक्खी जैसे छोटे-छोटे हज़ारों जीव हैं। कभी-कभी छिपकलियाँ-गिरगिट भी इधर चले आते हैं। छोटे तालाब के आस-पास कई पेड़ हैं। इन पेड़ों पर मकड़ियों के जाले हैं। गिलहरियाँ हैं। चींटियाँ हैं। और कई चिड़ियों के घोंसले हैं। यह छोटे-से तालाब का बड़ा-सा घर है।

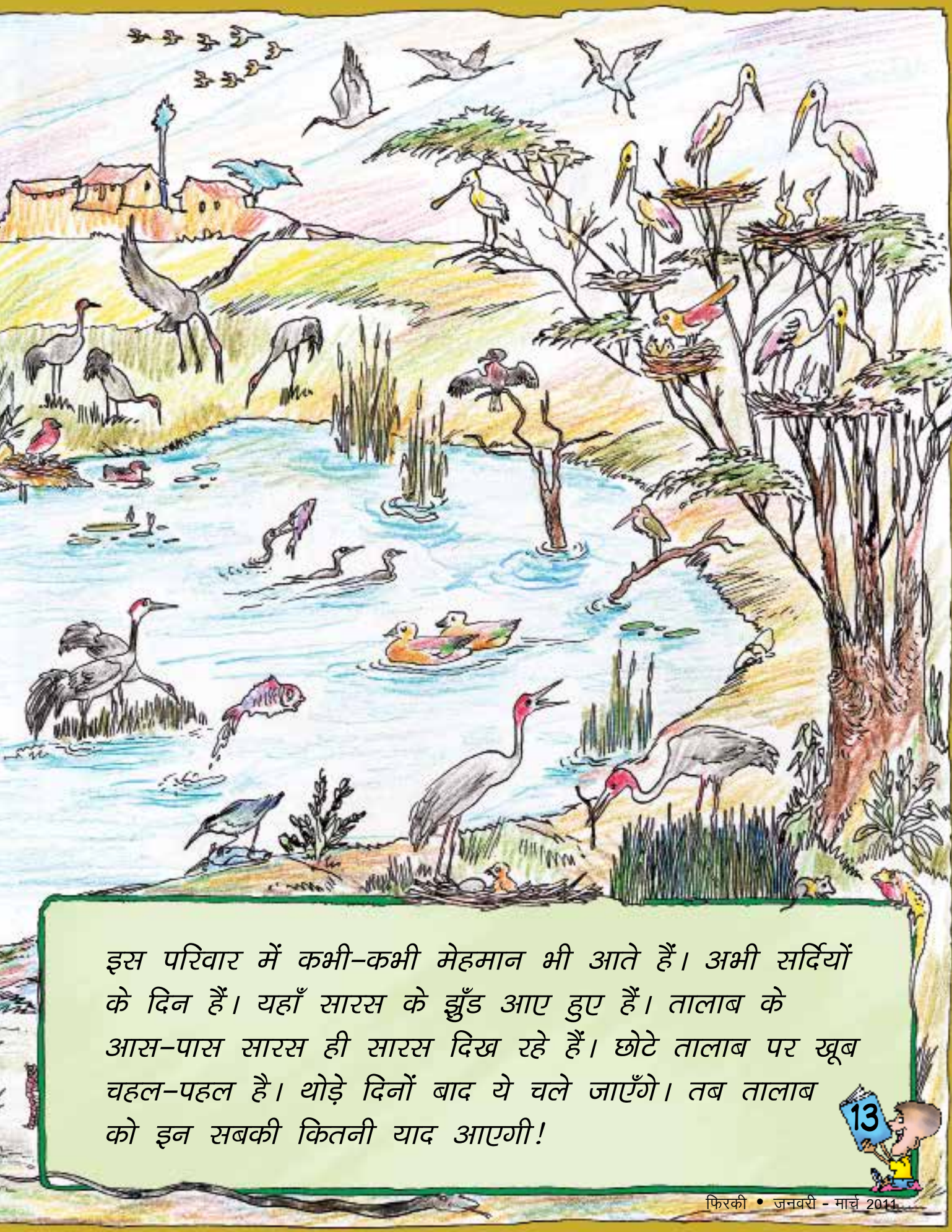

इस परिवार में कभी-कभी मेहमान भी आते हैं। अभी सर्दियों के दिन हैं। यहाँ सारस के झुँड आए हुए हैं। तालाब के आस-पास सारस ही सारस दिख रहे हैं। छोटे तालाब पर खूब चहल-पहल है। थोड़े दिनों बाद ये चले जाएँगे। तब तालाब को इन सबकी कितनी याद आएगी!

Something Sweet

Then the donkey and the bear went to a rabbit to get something sweet.

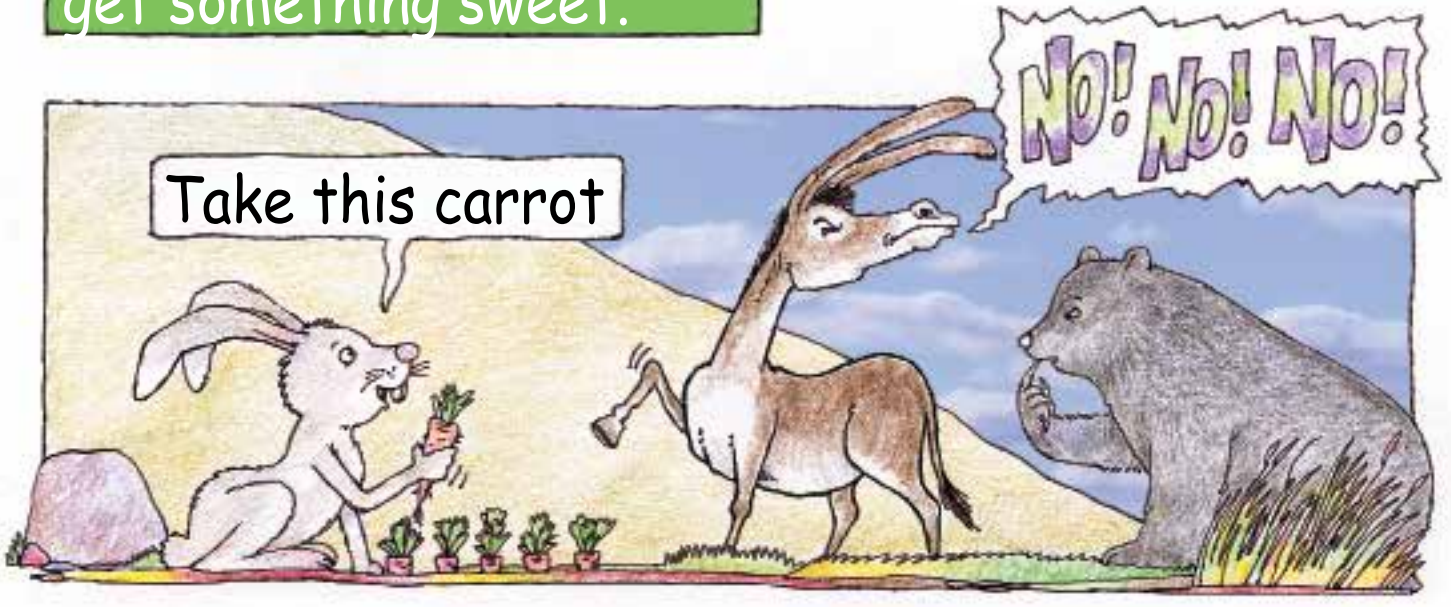

Then the donkey, the bear and the rabbit went to an ant to get something sweet.

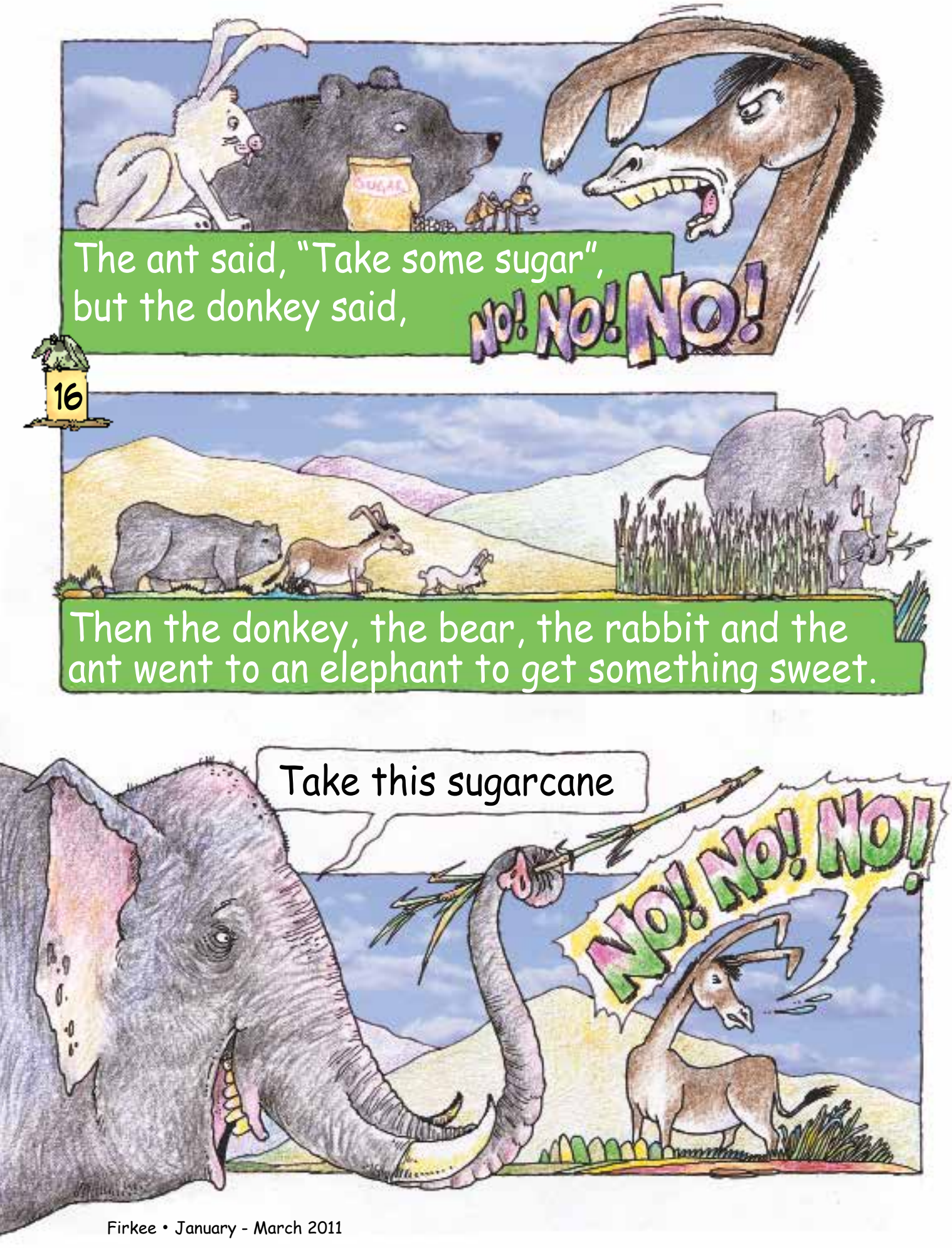

The ant said, "Take some sugar",
but the donkey said,
NO! NO! NO!
Then the donkey, the bear, the rabbit and the ant went to an elephant to get something sweet.
Take this sugarcane
NO! NO! NO!

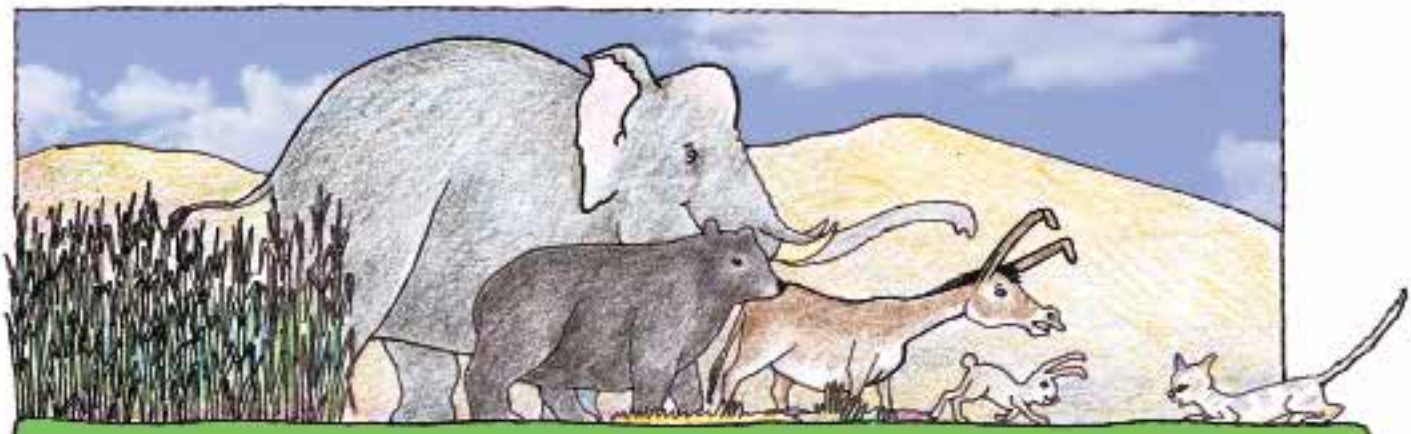

Then the donkey, the bear, the rabbit, the ant and the elephant went to a cat to get something sweet.

The donkey smiled.

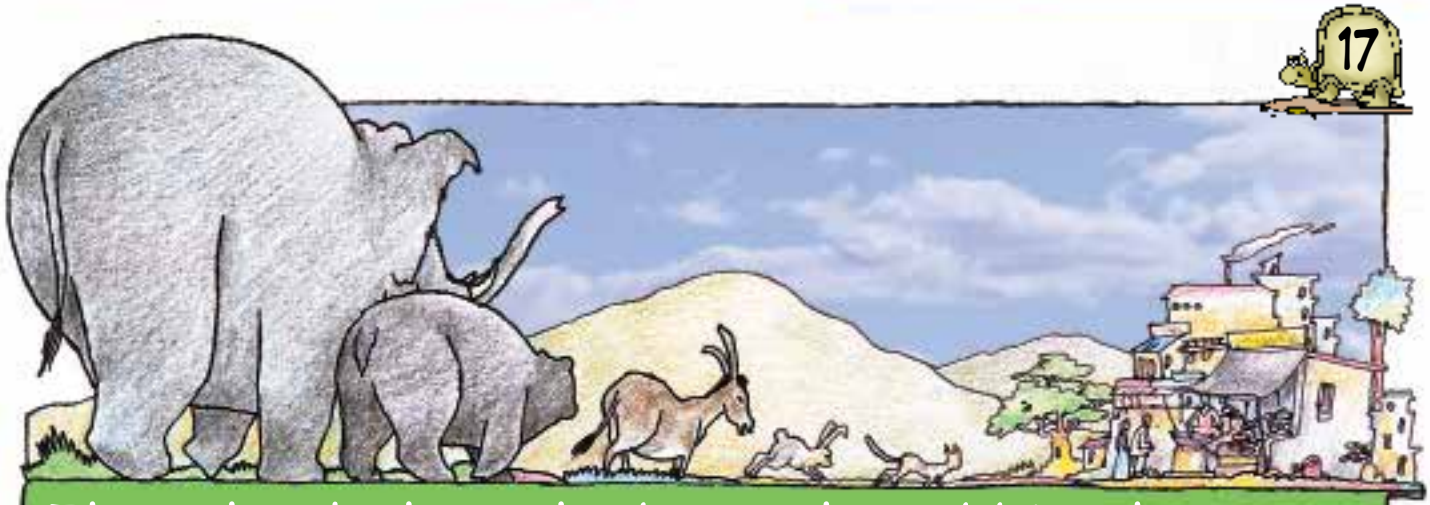

Then the donkey, the bear, the rabbit, the ant, the elephant and the cat went to the sweet shop to get something sweet.

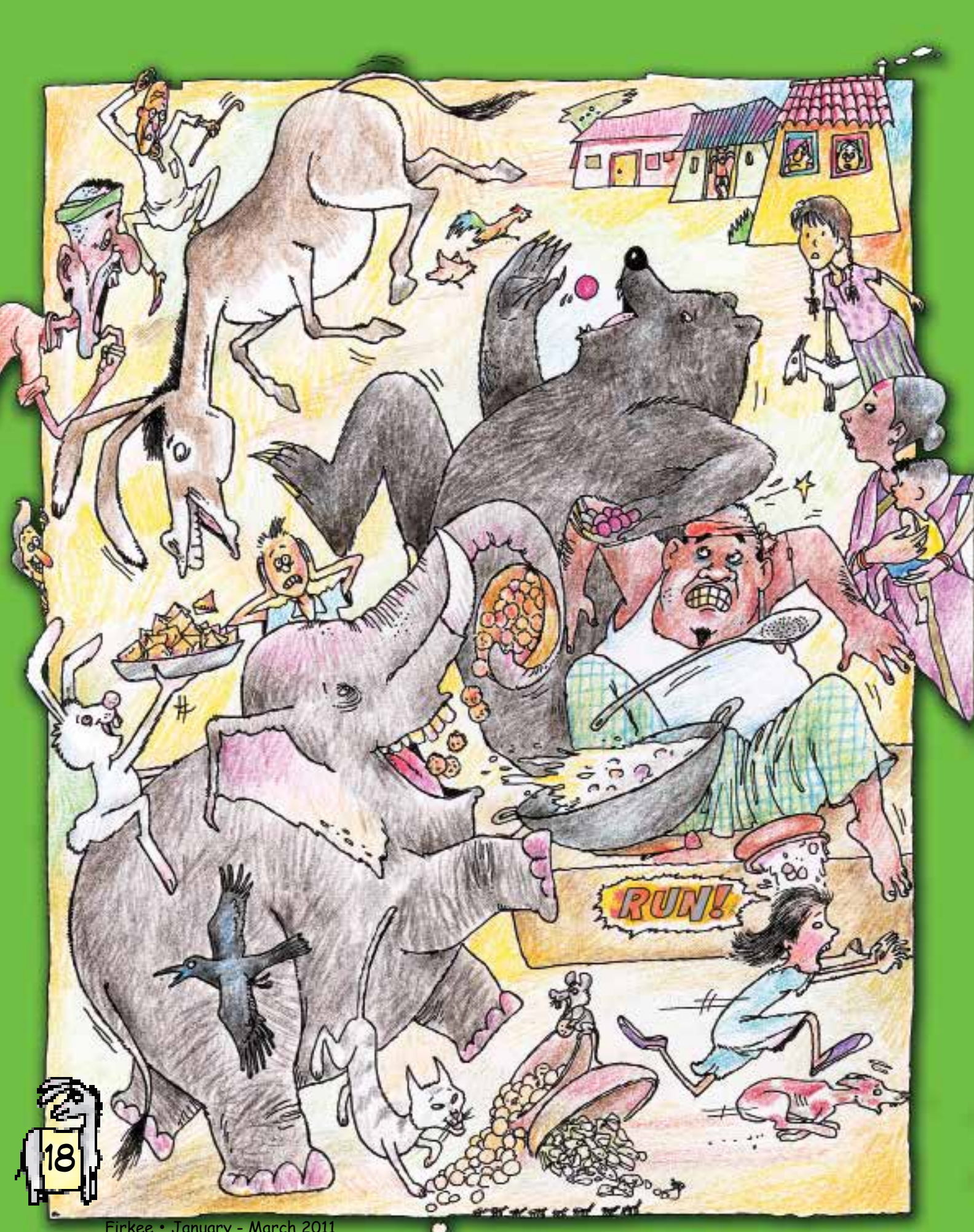
RUN!

Look at the pictures.

Now find **S** in the pictures.

Something Sweet

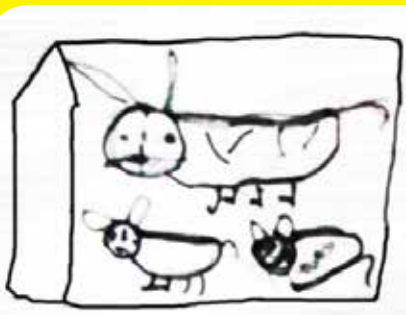

बिल्ली को उसके बच्चों तक पहुँचाओ

बिल्ली के बच्चे

1

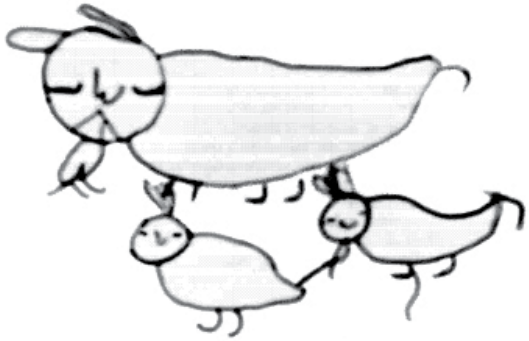

गुंजन की चाची के बिटौरा में बिल्ली ब्यायी।

4

बिल्ली बच्चों को दूध पिलाकर चली जाती।

करके देखो

काँच के पाँच गिलास लो। उसमें अलग-अलग मात्रा में पानी डालो। अब पतली डंडी या चम्मच से किनारों को बजाओ। क्या सबकी आवाज़ एक जैसी है? करके देखो तो ज़रा!

2

बिल्ली ने दो बच्चे दिए।

3

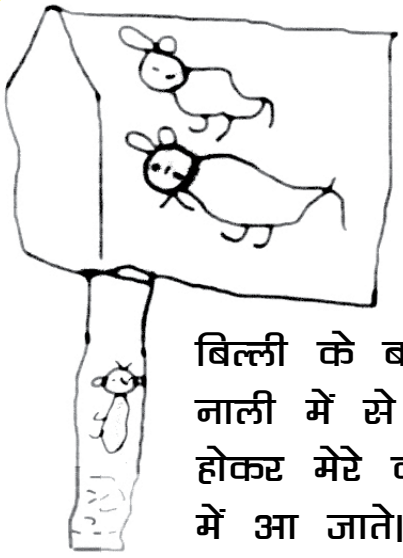

बिल्ली के बच्चे नाली में से होकर मेरे कमरे में आ जाते।

5

बिल्ली के बच्चे चाखी के नीचे घुस जाते।

6

फिर गुंजन बच्चों को पकरि करि दूध पिलाती।

pk[kh– चक्की, idfj dfj–पकड़कर
fcYyh C;k;h– बिल्ली के बच्चे हुए

गुंजन
7वर्ष, प्रा. वि. सुरीर, नौझील, मथुरा

जादू उँगलियों का

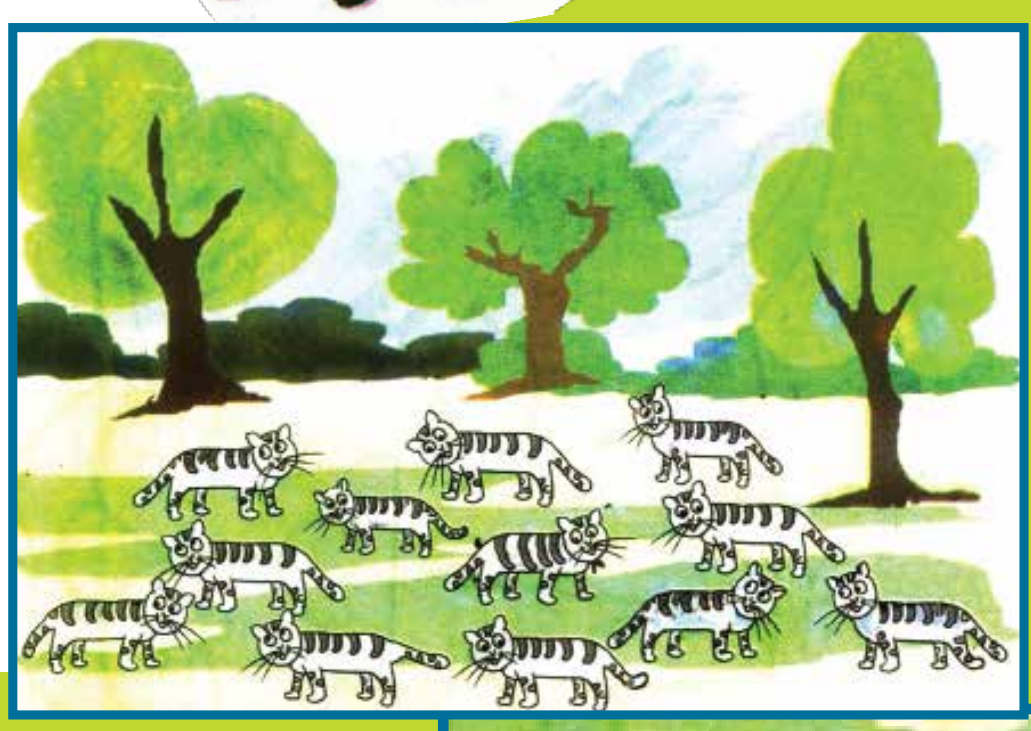

कम्मो बिल्ली बगीचे में अपने भाई-बहनों के साथ खेल रही थी। इतने में गुंजन ने उसकी तस्वीर खींच ली। तस्वीर देखकर बताओ इनमें से कम्मो बिल्ली कौन-सी है ?

कम्मो बिल्ली की तस्वीर

चेतराम मीना, 11वर्ष, ग्रामीण शिक्षा केंद्र, सवाई माधोपुर

देखो, मैंने क्या बनाया

रिद्धि मेहता, 7वर्ष, उदयपुर

खातिब खान, 6वर्ष, उदयपुर

महेंद्र बैरवा
11वर्ष, ग्रामीण शिक्षा केंद्र,
सवाई माधोपुर

i:dk'ku lg;kx
अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग : नीरजा शुक्ला
मुख्य संपादक : श्वेता उप्पल
मुख्य उत्पादन अधिकारी: शिव कुमार
मुख्य व्यापार प्रबंधक : गौतम गांगुली

lokf/kdkj lqjf{kr
प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

आओ, 'बरखा' से मिलें –

'बरखा' क्या है? 'बरखा' कहानियों का एक पिटारा है। इसमें बच्चों की 40 कहानियाँ हैं। इसमें किसकी कहानियाँ हैं, कौन–कौन सी कहानियाँ हैं? आओ कहानियों के नाम पढ़ें।

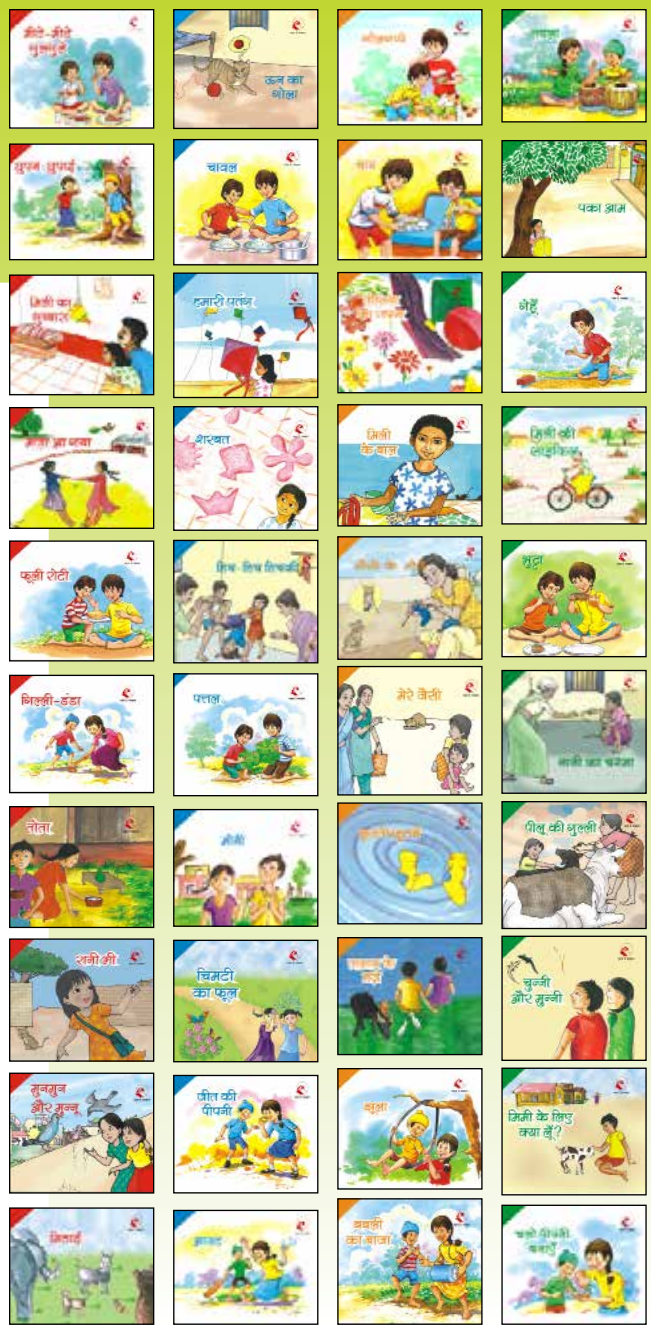

फिरकी की बात

'फिरकी' एक खिलौना, जिसे गोल–गोल घुमाने, बार–बार घुमाने और उसे घूमते देखते रहने में बच्चों को बहुत मज़ा आता है। छोटे बच्चों के लिए प्रकाशित इस बाल पत्रिका 'फिरकी' का आनंद भी कुछ ऐसा ही है। बच्चे इसे उलटना–पलटना चाहेंगे, पढ़ना चाहेंगे, अनुमान से पढ़ना चाहेंगे और बार–बार पढ़ना चाहेंगे। चित्रों से भरपूर इस पत्रिका में बड़ों की भूमिका यह होगी कि वे इसे बच्चों के हाथों तक पहुँचाएँ। जहाँ बच्चों को मदद की ज़रूरत महसूस हो, उनके साथ चर्चा करें। बच्चे कभी कहानियों–कविताओं को पढ़ते हुए अपने आप भी कुछ लिखने के लिए उत्साहित होंगे। उनका उत्साह बढ़ाएँ, उनकी बातें सुनें। इन नन्हें पाठकों की अभिव्यक्ति में एक स्थायी पाठक और बड़ा लेखक बनने के बीज छिपे हैं।

पत्रिका का पहला अंक आपके हाथ में है। इस द्वि भाषिक पत्रिका का मूल उद्देश्य बच्चों को हिंदी और अंग्रेजी में निरंतर ऐसी नई–नई सामग्री देना है, जिसे बच्चे स्वयं आनंद लेते हुए पढ़ें। इसकी कहानियाँ पढ़ें, सुने–सुनाएँ और कविताएँ मिलकर गुनगुनाएँ।

'Firkee' is colourful pages with simple, lovable stories, rhymes and interesting material. These opportunities of reading will help children in getting familiar with languages and developing skills of reading and writing. We hope elders and children will share the pleasures of reading together. There will be many surprises in coming issues.

Happy Reading!

dk;Zdkjh lEiknd & उषा शर्मा, मीनाक्षी खार
lEiknu eMy & उषा दत्ता, कीर्ति कपूर, ज्योत्स्ना तिवारी, मंजुला माथुर, राजाराम शर्मा
लता पांडे, श्वेता उप्पल, संध्या सिंह
ijke'kZnkrk eMy & अतनु राय, केदारनाथ सिंह, कृष्ण कुमार, प्रभात झा, प्रयाग शुक्ल, बाल शौरि रेड्डी, मालविका राय, रमेश थानवी, रामजन्म शर्मा, लतिका गुप्ता, श्रीप्रसाद, सुशील शुक्ल
lg;ksx & अरिबम अबेम देवी, तान्या सूरी, प्रमोद तिवारी, मानसी सिन्हा, मेघा, रीटा थोकचॉम, विनीता अरोड़ा, सारिका वशिष्ठ सोनिका कौशिक
fp=kdu ,oa vkoj.k & अतनु राय lkt&lTtk & बिरेन्द्र सिंह नेगी

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली – 110016

80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित

प्रकाशन विभाग से सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली–110016 द्वारा प्रकाशित तथा शकुन प्रिंटर्स, 241, पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली 110092 द्वारा मुद्रित।